विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा -षष्ठ दिनांक - 10-11-2020

विषय -हिन्दी विषय

शिक्षक -पंकज कुमार

सुप्रभात बच्चों आज प्रत्यय के बारे में पुनः अध्ययन करेंगे।

शब्द निर्माण: प्रत्यय

जो शब्दांश शब्द के अंत में लगकर उनके अर्थ में परिवर्तन या विशेषता उत्पन्न कर देते हैं, उन्हें प्रत्यय कहते हैं।

जैसे:

1.	पढ़	+	आकू	=	पढ़ाकू,
2.	थक	+	आवट	=	थकावट,
3.	झगड़	+	आलू	=	झगड़ालू,
4.	समाज	+	इक	=	सामाजिक

आकू, आलू, आवट और इक शब्दांश के पीछे जुड़कर उनके अर्थ में परिवर्तन ला रहे हैं। यदि इनको ध्यानपूर्वक देखें तो इनका अपना कोई अर्थ नहीं होता। ये तभी सार्थक होते हैं जब किसी मूल शब्द के पीछे जुड़ते हैं।

प्रत्यय के भेद

प्रत्यय मुख्यतः दो प्रकार के होते हैं:
1. कृत् प्रत्यय (क्रिया शब्दों में लगने वाले)
2. तद्धित प्रत्यय (क्रिया से भिन्न शब्दों में लगने वाले)।

कृत् प्रत्यय

जो प्रत्यय क्रिया की धातुओं में लगकर संज्ञा या विशेषण शब्दों का निर्माण करते हैं, वे कृत् प्रत्यय कहलाते हैं। इनके प्रयोग से बनने वाले शब्दों को कृदांत कहते हैं। जैसे:

चलन, आहट, करनी, भिड़त, देखभाल, झगड़ा आदि।

संज्ञा बनाने वाले कृत् प्रत्यय

प्रत्यय	उदाहरण	धातु + प्रत्यय
आन	उड़ + आन	उड़ान
आई	लड़ + आई	लड़ाई
आप	मिल + आप	मिलाप

विशेषता बताने वाले कृत् प्रत्यय

प्रत्यय	शब्द	शब्द + प्रत्यय
आकू	पढ़ना	पड़ाकू

अक्कड़	भूलना	भुलक्कड़
अक्कड़	घूमना	घुमक्कड़
ऐया	गाना	गवैया
आऊ	बिकना	बिकाऊ